आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून उत्तराखण्ड)

मंगलवार 22.04.2025 समय 1830

**मुख्य समाचार :–**

- वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा– 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की भारत की यात्रा केवल एक आकांक्षा नहीं, बल्कि एक साझा राष्ट्रीय मिशन है।
- गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय ने पौड़ी में चारधाम यात्रा की समीक्षा की, जिले को तीन जोन और 11 सैक्टरों में बांटा गया।
- टिहरी जिले के नरेन्द्रनगर स्थित राजदरबार से तिलों के तेल की पिरोई के साथ बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू।
- बागेश्वर में महिलाओं के अधिकारों को लेकर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन।

## केंद्रीय वित्त मंत्री

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा है कि 2047 तक 'विकसित भारत' बनने का सफर एक आकांक्षा नहीं है, बल्कि एक साझा राष्ट्रीय मिशन है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत मिशन समावेशी, टिकाऊ और नवाचार आधारित विकास के दृष्टिकोण से प्रेरित है। अमरीका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में आज अपने संबोधन में वित्त मंत्री ने कहा कि भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि यह भारत की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रासंगिकता का संकेत है। श्रीमती सीतारामन ने कहा कि भारत में किए गए कुछ काम उल्लेखनीय हैं और इसका एक उदाहरण डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और इसकी सफलता है। भारत सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ाने पर वित्त मंत्री ने कहा कि भारत बदल रहा है और भारतीय महिलाएं भी बदल रही हैं। इससे पहले, उन्होंने सैन फ्रांसिस्को में गूगल क्लाउड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थॉमस कुरियन और उनकी टीम से मुलाकात की।

## चारधाम समीक्षा

गढ़वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय ने आज पौड़ी में चारधाम यात्रा की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दृष्टिगत श्रीनगर एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहां यातायात व्यवस्था के साथ–साथ पार्किंग की समुचित व्यवस्था चुनौतीपूर्ण है। आयुक्त ने कहा कि चार धाम यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं की दृष्टि से पौड़ी जिले को तीन जोन और 11 सैक्टरों में बांटा गया है। हर सैक्टर में मजिस्ट्रेट और पुलिस चौबीस घंटे तैनात रहेगी।

## ई–चार्जिंग स्टे□ान

इस वर्ष चारधाम यात्रा को हरित यात्रा के रूप में आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। रूद्रप्रयाग जिले में गढ़वाल मंडल विकास निगम–जीएमवीएन की ओर से यात्रा के मुख्य पड़ावों पर ई–चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की गई है। जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि जीएमवीएन के चार गेस्ट हाउसों पर इन चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की गई है। प्रत्येक स्टेशन पर 60 किलोवाट क्षमता के यूनिवर्सल चार्जर लगाए गए हैं, जिनमें 30–30 किलोवाट की दो चार्जिंग गन शामिल हैं। इन गनों की मदद से विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन आसानी से चार्ज किए जा सकेंगे।
यह पहल न केवल श्रद्धालुओं की यात्रा को सुविधाजनक बनाएगी, बल्कि उत्तराखंड को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में भी एक सार्थक कदम साबित होगी। सरकार का उद्देश्य है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण और हरित पर्यटन को नई दिशा दी जा सके।

## तिलों का तेल

टिहरी जिले के नरेन्द्रनगर स्थित राजदरबार से बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की प्रक्रिया आज शुरू हो गई है। बदरीनाथ धाम में अखंड ज्योत के लिए हर साल राजदरबार में तिल का तेल निकाला जाता है और उसके बाद तेल कलश यानी गाडू घड़ा बदरीनाथ के लिए रवाना किया जाता है। टिहरी की सांसद व महारानी राज्य लक्ष्मी शाह की मौजूदगी में पूजा–अर्चना के बाद सुहागिन महिलाओं ने पीले वस्त्र पहनकर तेल की पिरोई शुरू की। तिल की पिरोई पूरी होने के बाद तेल को गाडू घड़े में भरा जाएगा और उसके बाद गाडू घड़ा यात्रा, बदरीनाथ के लिए रवाना होगी। इस अवसर पर टिहरी सांसद व महारानी राज्य लक्ष्मी शाह ने कहा कि राजदरबार इस परंपरा को हमेशा से पूरी श्रद्धा के साथ निभाता है।

गौरलतब है कि बदरीनाथ धाम के कपाट चार मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे।

## शिविर बागेश्वर

बागेश्वर में महिलाओं के अधिकारों को लेकर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा और कानूनी मदद के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गई। यह शिविर विधिक सेवा प्राधिकरण और बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित किया गया। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व सिविल जज जयेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर के माध्यम से महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा, उनके अधिकारों और विधिक सहायता के उपलब्ध प्रावधानों की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर जरूरतमंद महिला तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित हो।

## पृथ्वी दिवस अल्मोड़ा

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर मानसखंड विज्ञान केंद्र, अल्मोड़ा की ओर से आज विचार गोष्ठी और जन–जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विचार गोष्ठी में महिला स्वयं सहायता समूहों, विषय विशेषज्ञों ने वनों व वनस्पतियों, पेड़ो के अवैध कटान, शहरीकरण, जैव विविधता, सूखते जल स्रोतों आदि पर विचार व्यक्त किए और सुझाव दिए। छात्रा तनुजा गोस्वामी ने कहा कि उन्हें पृथ्वी के संरक्षण के बारे काफ़ी जानकारी दी गई।

इसके बाद अल्मोड़ा और आस–पास के स्कूलों में पर्यावरण संरक्षण को लेकर बच्चों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया।